सोमवार
4 ,मई , 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 90 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

बिहार की चमक राष्ट्रीय मंच पर

द वाइल्ड कॉल को 16वें दादासाहेब फाल्के फिल्म फेस्टिवल 2026 में सम्मान

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार के राजगीर स्थित जू सफारी द्वारा निर्मित अत्याधुनिक एनिमेशन फिल्म “द वाइल्ड कॉल” ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाते हुए दादासाहेब फाल्के फिल्म फेस्टिवल 2026 में सर्वश्रेष्ठ एनिमेशन फिल्म का प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किया है। इस उपलब्धि ने न केवल बिहार का मान बढ़ाया है, बल्कि राज्य को रचनात्मकता और पर्यावरणीय जागरूकता के क्षेत्र में एक नई पहचान भी दी है।

लगभग 12 मिनट की इस 180 डिग्री इमर्सिव एनिमेटेड फिल्म का निर्माण राजगीर जू सफारी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार द्वारा किया गया है। फिल्म का निर्देशन एस. फरीद और अजहरूद्दीन सुलैमान ने किया है, जिन्होंने तकनीकी नवाचार और कलात्मक दृष्टि का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया है। इस परियोजना को गोपाल सिंह (आईएफएस), क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, पटना तथा रामसुंदर एम (आईएफएस), निदेशक, राजगीर जू सफारी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

“द वाइल्ड कॉल” केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव है, जो दर्शकों को भारत की समृद्ध जैव-विविधता से जोड़ता है। इसमें शेर और बाघ के शावकों की रोमांचक यात्रा के माध्यम से देश के विभिन्न प्राकृतिक क्षेत्रों जैसे हिमालय, पश्चिमी घाट, थार मरुस्थल और भारतीय महासागर को आकर्षकढंग से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में कुल 23 प्रमुख वन्यजीव प्रजातियों को दर्शाया गया है, जिनमें भारतीय हाथी और ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसे दुर्लभ जीव भी शामिल हैं।

फिल्म का संगीत घिब्रान वैबोधा द्वारा तैयार किया गया है, जो दर्शकों के अनुभव को और अधिक प्रभावशाली बनाता है। उच्च गुणवत्ता वाले एनिमेशन और भावनात्मक प्रस्तुति के कारण यह फिल्म दर्शकों को न केवल मनोरंजन प्रदान करती है, बल्कि प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता भी विकसित करती है।

इस फिल्म का मुख्य उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आवासों की रक्षा और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता फैलाना है। यह दर्शाती है कि किस प्रकार आधुनिक तकनीक और रचनात्मक माध्यमों के जरिए समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाया जा सकता है।

इस उपलब्धि पर राजगीर जू सफारी के निदेशक रामसुंदर एम ने कहा कि “द वाइल्ड कॉल” की सफलता हमारे लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। हमने इसे वैश्विक स्तर की तकनीकी गुणवत्ता और रचनात्मकता के साथ तैयार किया, ताकि यह मनोरंजन के साथ-साथ समाज को जागरूक भी कर सके।

यह सम्मान बिहार के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो राज्य को नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और सृजनात्मकता के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा।

पेट्रोल-डीजल, गैस ,जमाखोरी या कालाबाजारी की सूचना तुरंत टोलफ्री नंबर पर दें, डीएम की जनता से अपील

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।रविवार को नालंदा के जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने जिले में रसोई गैस की कमी और पेट्रोल पंप बंद होने की सूचना को लेकर सभी तेल विपणन कंपनियों के सेल्स ऑफिसरों और वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में नोडल सेल्स ऑफिसर ने स्पष्ट किया कि आईओसीएल और बीपीसीएल के सभी पेट्रोल पंप पूरी क्षमता से संचालित हो रहे हैं और कहीं भी पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं है। तीनों तेल कंपनियों ने भी बताया कि मांग के अनुरूप नियमित आपूर्ति जारी है।

जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शादी के सीजन में बढ़ती मांग को देखते हुए पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करें और 5 से 10 प्रतिशत अतिरिक्त स्टॉक बनाए रखें। साथ ही किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल समन्वय कर समाधान करने का निर्देश दिया गया।

डीएम ने आम लोगों से अपील की कि जिले में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है, इसलिए घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है।

एलपीजी की उपलब्धता पर जानकारी देते हुए नोडल पदाधिकारी ने बताया कि जिले की 54गैस एजेंसियों के माध्यम से रोजाना औसतन 8523 घरेलू सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है। वर्तमान में जिले का बैकलॉग मात्र 3.34 प्रतिशत है, जो राज्य में दूसरा सबसे कम है।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि बिहारशरीफ, राजगीर और सिलाव में पीएनजी पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से चल रहा है। बिहारशरीफ के 6 वार्ड, सिलाव के 8 वार्ड और राजगीर के 17 वार्ड में पाइपलाइन का काम पूरा हो चुका है। अब तक जिले में करीब 1839 पीएनजी कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछ चुकी है, वहां उपभोक्ताओं के लिए पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य एलपीजी सिलेंडर पर निर्भरता कम करना और सुरक्षित गैस आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

इसके अलावा, स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, आंगनवाड़ी और सामुदायिक रसोई जैसे संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर पीएनजी कनेक्शन देने का निर्देश दिया गया है।डीएम ने आम लोगों से अपील की कि यदि कहीं पेट्रोल-डीजल या गैस की जमाखोरी, कालाबाजारी या घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग हो रहा हो तो इसकी सूचना टोलफ्री नंबर 06112-233168 पर दें। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल चलो अभियान: नालंदा में 16 हजार बच्चों का नामांकन

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार के निर्देशानुसार ‘स्कूल चलो अभियान’ के तहत नालंदा जिले के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों में व्यापक नामांकन अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के 16,000 से अधिक बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराया गया है।

अभियान का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा गांव-गांव जाकर जागरूकताअभियान चलाया गया तथा अभिभावकों को बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रशासन ने इसे बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि आगे भी नामांकन बढ़ाने और बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर श्रवण कुमार ने पत्रकारों को दी बधाई

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।जनता दल (यू) विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने "विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस" के अवसर पर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सभी पत्रकारों, रिपोर्टरों, संपादकों, फोटोग्राफरों तथा इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया से जुड़े कर्मियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि पत्रकारों की कलम और उनकी आवाज ही आम जनता की वास्तविक ताकत है, जो शासन और प्रशासन को जवाबदेह बनाती है। उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और इसकी निष्पक्षता तथा सक्रियता से ही समाज में पारदर्शिता बनी रहती है।

श्रवण कुमार ने कहा कि आज के दौर में पत्रकारों को कई प्रकार की चुनौतियों औरदबावों का सामना करना पड़ता है, लेकिन इसके बावजूद वे सच्चाई को सामने लाने का जो साहस दिखाते हैं, वह अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग तक सही और निष्पक्ष जानकारी पहुंचाना पत्रकारों की बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे वे पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं।

उन्होंने इस अवसर पर यह भी कामना की कि पत्रकारों की कलम हमेशा सत्य और न्याय के पक्ष में चलती रहे तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका और अधिक प्रभावी हो।अंत में उन्होंने कहा कि एक सशक्त, स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया ही देश और समाज के विकास की आधारशिला है, और इसके लिए सभी पत्रकारों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

रामीबिगहा मोड़ से दो हथियार तस्कर गिरफ्तार, पिस्टल-कट्टा व कारतूस बरामद

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। अस्थावां थाना क्षेत्र के ग्राम रामीबिगहा से पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से देशी पिस्टल, कट्टा एवं जिंदा कारतूस सहित अन्य सामान बरामद किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 03 मई को वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर चलाए जा रहे वाहन जांच अभियान के दौरान स०अ०नि० विनय कुमार एवं अस्थावां थाना की टीम द्वारा रामीबिगहा मोड़ पर एक बाइक पर सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका गया। तलाशी लेने पर पहले अभियुक्त नितीश कुमार के पास से एक देशी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, एक मोबाइल तथा स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई। वहीं दूसरे अभियुक्त रंजन कुमार के पास से एक देशी कट्टा, चार जिंदा कारतूस एवं एक मोबाइल फोन बरामद हुआ।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान नितीश कुमार, पिता राजकुमार राम, निवासी करींगापुर थाना मानपुर तथा रंजन कुमार, पिता उपेंद्र प्रसाद, निवासी करींगापुर थाना मानपुर, जिला नालंदा के रूप में की गई है।

पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है तथा उनके विरुद्ध अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

इस छापामारी दल में अपर पुलिस अधीक्षक बिहारशरीफ सदर-1 नुरुल हक, थानाध्यक्ष उत्तम कुमार, पु०अ०नि० परन्तु कुमार यादव, पु०अ०नि० जितेंद्र कुमार साह, स०अ०नि० विनय कुमार, सिपाही विकास कुमार, बीएचजी अंगद कुमार, गोरेलाल यादव एवं विजय कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

छह माह अनुपस्थित रिकॉर्ड, प्रधानाध्यापिका से 24 घंटे में मांगा जवाब

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, नालंदा के निर्देश पर ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने के मामले में मॉडल मध्य विद्यालय भैसासुर की प्रधानाध्यापिका सुनीता सिन्हा से स्पष्टीकरण मांगा गया है। इस संबंध में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना), नालंदा द्वारा पत्रांक 2614 के तहत 30 मई 2026 को नोटिस जारी किया गया।

जारी पत्र में बताया गया है कि विभागीय निर्देशानुसार सभी प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को ई-शिक्षा कोष ऐप के माध्यम से प्रतिदिन अपनी उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य है। अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 तक की उपस्थिति की समीक्षा के दौरान पाया गया कि संबंधित प्रधानाध्यापिका द्वारा इस अवधि में एक भी दिन उपस्थिति दर्ज नहीं की गई।विभाग ने इसे गंभीर लापरवाही, आदेश की अवहेलना और कार्य के प्रति उदासीनता का मामला माना है। पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि यह कृत्य विभागीय नियमों के विरुद्ध है और अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।

इस मामले में प्रधानाध्यापिका को निर्देश दिया गया है कि वे नोटिस प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर अपना स्पष्टीकरण जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

शिक्षा विभाग की इस सख्ती को लेकर जिले में चर्चा तेज हो गई है और इसे व्यवस्था सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हर रविवार मुफ्त इलाज, रेड क्रॉस शिविर में उमड़ी मरीजों की भीड़

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रविवार को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला शाखा नालंदा द्वारा विस्तारित भवन, श्रम कल्याण केंद्र मैदान में साप्ताहिक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य निसहाय एवं जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना रहा।

इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने कुल 220 मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सा परामर्श दिया। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी ने 40, हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक कुमार ने 20, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव कुमार सिंह ने 45 मरीजों की जांच की। वहीं फिजिशियन डॉ. दीनानाथ वर्मा, डॉ. इंद्रजीत कुमार एवं डॉ. उमेश कुमार सिंह ने मिलकर 90 लोगों का इलाज किया। इसके अलावा डॉ. स्मृति कुमारी सिन्हा, डॉ. मोहम्मद शहजाद आलम तथा होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. गौतम कुमार और डॉ. रितेश कुमार ने भी मरीजों को परामर्श दिया। शिविर में करीब 50 लोगों की मधुमेह जांच भी की गई।

शिविर में पहुंचे लाभार्थियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बेहद उपयोगी बताया। आयोजन समिति ने जानकारी दी कि यह स्वास्थ्य जांच शिविर प्रत्येक रविवार को जारी रहेगा।कार्यक्रम के सफल संचालन में रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव राजेश कुमार, कोषाध्यक्ष अरविंद पंडित सहित कार्यकारिणी एवं आजीवन सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सदस्यों ने पंजीकरण, कतार प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

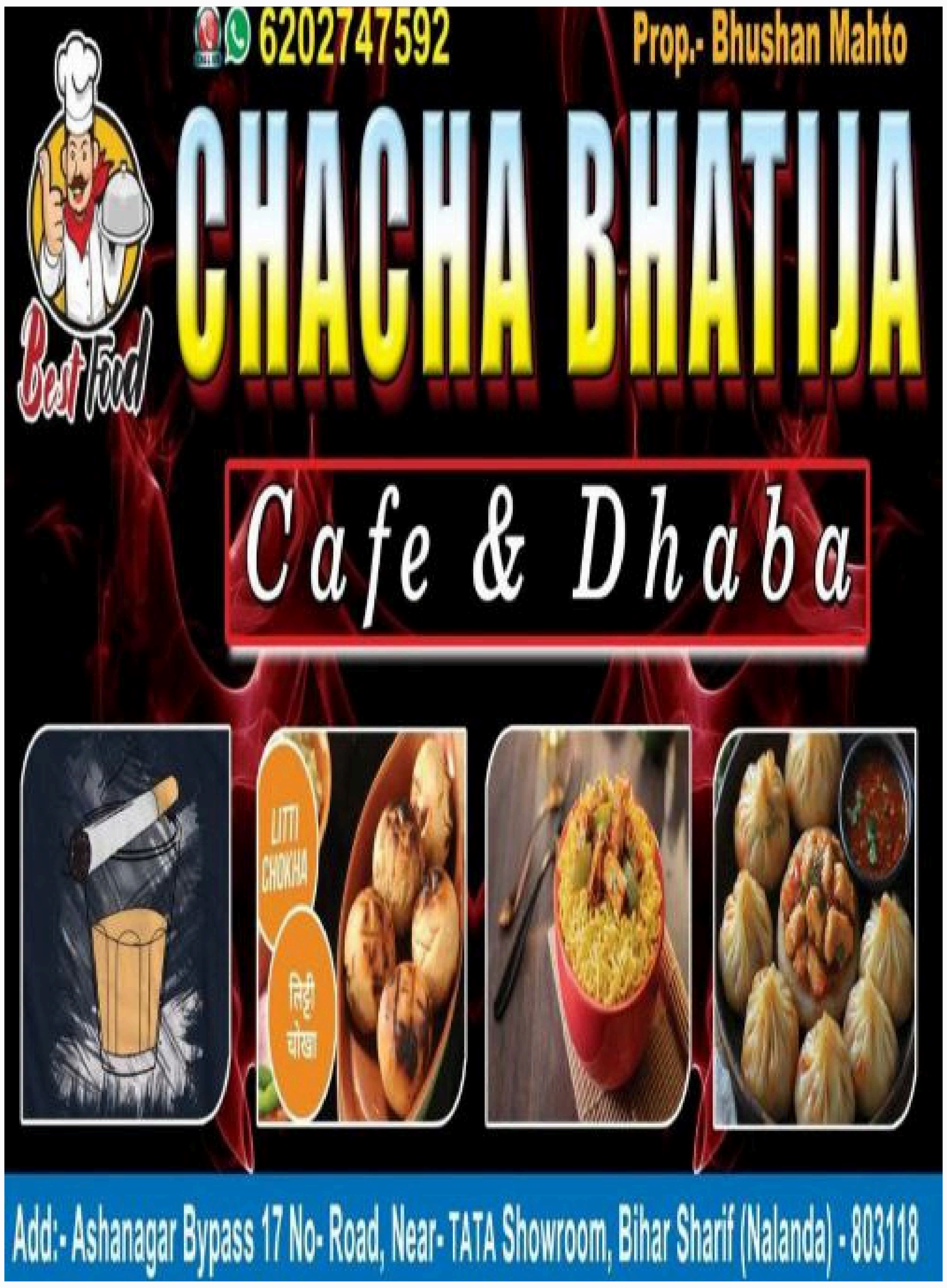

कैंसर से लड़ते हुए वर्षा कुमारी ने हासिल की पीएचडी, बनीं संघर्ष की मिसाल

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। गंभीर बीमारी और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अटूट हौसले का परिचय देते हुए वर्षा कुमारी ने आचार्य सरहपा की कविता के आलोचनात्मक अध्ययन पर पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। लंबे समय से कैंसर से जूझ रही वर्षा को इलाज के लिए मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम के विभिन्न चिकित्सा केंद्रों के चक्कर लगाने पड़े, लेकिन उन्होंने अपने शोध कार्य को कभी बाधित नहीं होने दिया। अस्पताल और पुस्तकालय उनके जीवन का समानांतर हिस्सा बन गए थे।

नव नालंदा महाविहार सम विश्वविद्यालय में आयोजित पीएचडी प्रवेश साक्षात्कार के दौरान उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और विषय के प्रति गहरी प्रतिबद्धता ने शिक्षकों को प्रभावित किया। उन्होंने लगभग साढ़े तीन वर्षों में अपना शोध सफलतापूर्वक पूरा किया। कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह के नेतृत्व में इस उपलब्धि को संस्थान की गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा की निरंतरता के रूप में देखा गया।

वर्षा कुमारी का शोध कार्य प्रो. रवींद्र नाथ श्रीवास्तव "परिचय दास" के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। मौखिकी परीक्षा में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. सदानंद शाही ने उनके शोध की सराहना की। इस दौरान विभागाध्यक्ष प्रो. हरे कृष्ण तिवारी, डॉ. अनुराग शर्मा, विकास सिंह, निकिता आनंद और शिवानी जायसवाल का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा।

वर्षा साहित्यिक लेखन में भी सक्रिय हैं और बीमारी के दौरान भी उन्होंने लेखन जारी रखा। उनकी रचनाओं में जीवन संघर्ष की गहराई स्पष्ट झलकती है। उनकी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, शोधार्थी, छात्र और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी है।

घर-घर सूचीकरण अभियान को लेकर कतरीसराय में प्रगणकों की अहम बैठक

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड मुख्यालय में मकान सूचीकरण कार्य को लेकर सभी प्रगणक एवं प्रवेक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों ने सूचीकरण कार्य को पूरी पारदर्शिता, सटीकता और जिम्मेदारी के साथ संपन्न करने पर विशेष बल दिया। निर्देश दिया गया कि सभी प्रगणक घर-घर जाकर एचएलओ ऐप के माध्यम से प्रत्येक परिवार का सही एवं अद्यतन विवरण दर्ज करें, ताकि आंकड़ों में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।

अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान 2 मई से प्रारंभ होकर 31 मई तक चलेगा। इस अवधि में सभी प्रगणकों एवं प्रवेक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से भ्रमण कर सूचीकरण कार्य को समय पर पूरा करना होगा। बैठक के दौरान सभी कर्मियों को नियुक्ति पत्र एवं पहचान पत्र भी वितरित किए गए, जिससे कार्य के दौरान उनकी पहचान सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही गूगल मैप के उपयोग, डेटा प्रविष्टि की प्रक्रिया तथा अन्य तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करना अनिवार्य होगा।बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी रजनीश कुमार, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अमरजीत कुमार एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी कपिल देव प्रसाद सहित सभी प्रगणक और प्रवेक्षक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

रेड क्रॉस हिलसा शाखा स्थापना दिवस पर ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित होगा

हिलसा (अपना नालंदा)।भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की उप जिला शाखा हिलसा में स्थापना दिवस के आयोजन को लेकर रविवार की संध्या एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मैनेजिंग कमिटी के अध्यक्ष राजकिशोर प्रसाद ने की, जिसमें कार्यकारिणी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

बैठक में आगामी 8 मई को स्थापना दिवस मनाने की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। इस अवसर पर ब्लड डोनेशन कैम्प तथा जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया, ताकि अधिक से अधिक लोगों को समाज सेवा से जोड़ा जा सके। साथ ही जरूरतमंदों की सहायता के लिए विशेष अभियान चलाने पर भी चर्चा की गई।

निर्णय लिया गया कि स्थापना दिवस के मौके पर सोसाइटी के उपाध्यक्ष सह एसडीओ अमित कुमार पटेल द्वारा झंडोत्तोलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग भी शामिल होंगे।

बैठक में आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने पर जोर दिया गया। साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने और युवाओं को रेड क्रॉस से जोड़ने की रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में शिवेंद्र कुमार उर्फ आलोक, डॉ. रितेश कुमार तरुण, संतोष कुमार, प्रफुल्ल पटेल, नरेश प्रसाद अकेला, सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा, अशोक कुमार विश्वकर्मा, सुरेश प्रसाद, मो. मामूतुर रसीद नदवी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में सभी सदस्यों ने स्थापना दिवस को सफल और यादगार बनाने का संकल्प लिया।

भाजपा हिलसा नगर मंडल बैठक में संगठन विस्तार और बूथ सशक्तिकरण पर जोर

हिलसा (अपना नालंदा)।रविवार को भारतीय जनता पार्टी हिलसा नगर मंडल की संगठनात्मक मासिक बैठक नगर अध्यक्ष मंजय कुमार चंद्रवंशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन नगर महामंत्री उदित नारायण ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष अर्जुन प्रसाद विश्वकर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में संगठन को मजबूत करने पर बल देते हुए सभी मोर्चा अध्यक्षों से अपने-अपने मोर्चा कमिटी का शीघ्र गठन कर संगठन विस्तार में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य मासिक संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करना तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को महीने के अंतिम रविवार को प्रत्येक बूथ पर सुनने के लिए सभी बूथ अध्यक्षों को प्रेरित करना रहा।

इस अवसर पर जिला मंत्री योगेंद्र कुमार मंडल, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष विकास कुमार चंद्रवंशी, जिला प्रवक्ता संजय सागर एवं गौरव प्रकाश ने भी अपने विचार रखे और संगठन को मजबूत बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।धन्यवाद ज्ञापन नगर मंत्री रजनीश रंजन ने किया।

बैठक में नगर महामंत्री अभिनव कौशल जायसवाल, नगर उपाध्यक्ष सुरेश प्रसाद सिंह, नगर उपाध्यक्ष अभय गुप्ता, नगर मंत्री रूबी देवी, कुंदन वर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष स्तुति कुमारी, मोहम्मद मोनू, मोहम्मद राजा, अरुण कुमार साहू, शिवसागर कुमार, परमानंद दास जी सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया।

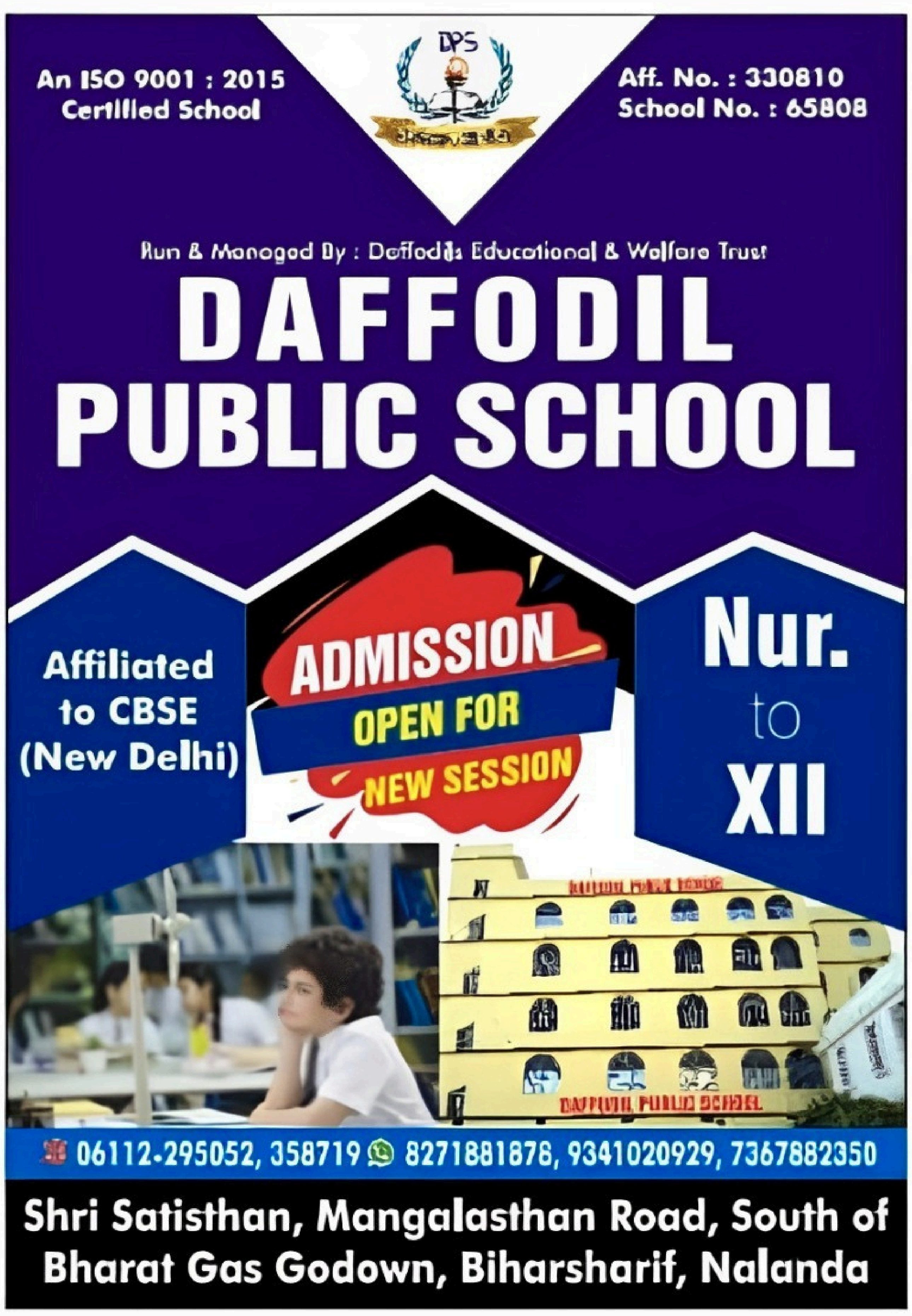

एक साल से बिना टंकी नल-जल योजना ठप, बूंद-बूंद पानी को तरसे ग्रामीण

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।नालंदा जिले के अस्थावां प्रखंड अंतर्गत जाना पंचायत के धोबी बीघा गांव के वार्ड नंबर 9 में सरकारी नल-जल योजना पिछले एक वर्ष से ठप पड़ी है। पानी की टंकी उड़ जाने के बाद अब तक नई टंकी नहीं लगाई गई है, जिसके कारण ग्रामीणों को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि करीब एक साल पहले आई तेज आंधी में नल-जल टावर पर लगी पानी की टंकी उड़ गई थी। तब से लेकर अब तक टंकी नहीं लगाई गई है। इस संबंध में पंचायत प्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

स्थानीय निवासी जोगिंदर चौधरी, राज कपूर, अशोक पासवान, शियासरण दास, भगवान दास, नागेश दास, भूषण पासवान, सुरेश पासवान, रामदेव दास, रामाशीष वर्मा, करु चौधरी, पप्पू चौधरी और राजेंद्र चौधरी ने बताया कि बिजली रहने पर मोटर के जरिए किसी तरह पानी मिल जाता है, लेकिन बिजली कटते ही स्थिति भयावह हो जाती है। टंकी नहीं होने के कारण पानी का भंडारण संभव नहीं है, जिससे पूरे वार्ड में पानी के लिए हाहाकार मच जाता है।

ग्रामीणों ने बताया कि पानी की कमी के कारण घर के दैनिक कार्य, पीने का पानी और स्वच्छता से जुड़े काम बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। महिलाएं और बच्चे खासतौर पर इस

समस्या से ज्यादा परेशान हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना का लाभ उन्हें नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द नई पानी की टंकी लगाने और योजना को सुचारू रूप से चालू कराने की मांग की है, ताकि लोगों को इस गंभीर संकट से राहत मिल सके।

राजगीर नगर परिषद की तीसरी बजट बैठक आज, टकराव के बीच फैसले पर नजर

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नगर परिषद, राजगीर के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर गतिरोध लगातार गहराता जा रहा है। सोमवार को सामान्य बोर्ड की तीसरी बैठक बुलाई गई है, लेकिन इससे पहले की दो बैठकें विफल रहने के कारण इस बार भी हंगामे और बहिष्कार की आशंका बनी हुई है। वार्ड पार्षदों के बीच बढ़ती गुटबाजी ने स्थिति को और जटिल बना दिया है, जिससे बजट पारित होने पर संशय बरकरार है।

जानकारी के अनुसार पहली बैठक 25 मार्च को हुई थी, जिसमें पार्षदों ने अपनी मांगों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए सर्वसम्मति से बहिष्कार कर दिया था। इसके पीछे आंतरिक राजनीति की भी चर्चा रही। इसके बाद 24 अप्रैल को दूसरी बैठक प्रस्तावित की गई, लेकिन उसमें भी एकजुटता नहीं बन सकी। नगर परिषद की छवि को नुकसान से बचाने के लिए उस बैठक को विधानसभा सत्र का हवाला देकर स्थगित कर दिया गया।अब 4 मई को होने वाली तीसरी बैठक पर सभी की निगाहें टिकी हैं। सूत्र बताते हैं कि पार्षदों की कुछ मांगें आंशिक रूप से मानी गई हैं, लेकिन कई अहम मुद्दे अब भी लंबित हैं। इसी वजह से सहमति बनना मुश्किल हो रहा है। अधिकारियों द्वारा लगातार पार्षदों को मनाने की कोशिश जारी है, मगर अब तक ठोस परिणाम सामने नहीं आया है।इधर, अप्रैल और मई में स्थायी सशक्त समिति की कई बैठकों में निर्माण और वित्त से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं, जिन्हें लागू करने के लिए सामान्य बोर्ड की मंजूरी जरूरी है। ऐसे में सोमवार की बैठक नगर परिषद के भविष्य के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

स्कूटी से शराब सप्लाई कर रहे दो धंधेबाज गिरफ्तार, 95 बोतल शराब बरामद

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)।इस्लामपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए स्कूटी से अंग्रेजी शराब की सप्लाई कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई इस्लामपुर रेलवे स्टेशन के समीप की गई।

थानाध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ शराब धंधेबाज डिलेवरी के लिए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस वाहन को देखते ही स्कूटी सवार दो युवक भागने लगे, जिसके बाद पुलिस ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया।तलाशी के दौरान स्कूटी से छुपाकर रखी गई 180 एमएल की कुल 95 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई। गिरफ्तार दोनों युवक इस्लामपुर नगर के मलिक सराय मोहल्ला निवासी सचिन ऋषि और शिशुकांत कुमार हैं।पुलिस ने दोनों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

संपादकीय

जे पी चौधरी

ईवीएम सुरक्षा पर सियासत तेज, चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठे सवाल

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दोनों चरणों के मतदान संपन्न होने के बाद अब जनादेश को संजोए ईवीएम मशीनें सुरक्षित केंद्रों (स्ट्रॉन्ग रूम) में रख दी गई हैं। इस स्थिति में चुनाव आयोग का संवैधानिक दायित्व बनता है कि इन मशीनों की सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक या संदेह की गुंजाइश न रहे। हालांकि, राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे इन स्ट्रॉन्ग रूम की चौबीसों घंटे निगरानी करें और पूरी तरह सतर्क रहें।

यह अपील सीधे तौर पर चुनाव आयोग की निष्पक्षता और कार्यप्रणाली पर अविश्वास का संकेत देती है। सवाल यह उठता है कि जब चुनाव आयोग को संविधान ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी सौंपी है, तब इस तरह के संदेह क्यों पैदा हो रहे हैं? मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वे इन आशंकाओं को दूर करें और आयोग की विश्वसनीयता को बनाए रखें।

लोकतंत्र के संदर्भ में समाजवादी चिंतक राम मनोहर लोहिया का कथन आज भी प्रासंगिक है कि "लोकतंत्र लोकलज्जा से चलता है।" उनका आशय था कि लोकतंत्र में जनता की चेतना सर्वोपरि होनी चाहिए, न कि सत्ता का तंत्र। इसी विचार से दीनदयाल उपाध्याय भी सहमत थे। ऐसे में यह आवश्यक है कि चुनावी प्रक्रिया पर किसी भी राजनीतिक दल को संदेह न रहे।

चुनाव आयोग को चुनाव के दौरान प्रशासनिक शक्तियां इसलिए दी गई हैं ताकि सत्तारूढ़ दल का प्रभाव चुनाव प्रक्रिया पर न पड़े और निष्पक्ष माहौल में मतदान हो सके। इसके बावजूद यदि विपक्षी दल आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत है।

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान लाखों नाम हटाए जाने और कई लोगों को मतदान से वंचित किए जाने के आरोप भी इस अविश्वास को बढ़ाते हैं। यही कारण है कि अब विपक्षी दल यह मांग कर रहे हैं कि मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाया जाए, ताकि किसी भी नागरिक को इससे वंचित न किया जा सके।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा स्ट्रॉन्ग रूम की निगरानी पर जोर देने के पीछे तर्क यह है कि पूर्व में ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप लगते रहे हैं। वहीं, राज्य में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला भी इस संवेदनशीलता को और बढ़ाता है।ऐसी परिस्थितियों में चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उसे न केवल निष्पक्षता बनाए रखनी होगी, बल्कि जनता और राजनीतिक दलों के बीच विश्वास भी कायम रखना होगा। मतगणना के दौरान पूरी पारदर्शिता और नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना ही लोकतंत्र की साख को मजबूत करेगा।

जनता के द्वार पहुंचेगा नेतृत्व, पश्चिमी चंपारण से निशांत कुमार की सद्भाव यात्रा ऐतिहासिक

पटना (अपना नालंदा)।जद (यू) प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा पश्चिम चंपारण की पावन धरती से निशांत कुमार की सद्भाव यात्रा का आगाज ऐतिहासिक क्षण है। यह यात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संवाद, सामाजिक समरसता, विकास और जनविश्वास को मजबूत करने का व्यापक अभियान है।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी चंपारण की धरती का चयन अपने आप में प्रेरणादायक है। यही वह ऐतिहासिक भूमि है जहाँ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने सत्याग्रह का संदेश देकर देश में जनजागरण का नया अध्याय लिखा था। यही कारण है कि बिहार में सकारात्मक परिवर्तन और जनसंवाद की नई शुरुआत के लिए चंपारण से बेहतर स्थान कोई नहीं हो सकता। यह भूमि संघर्ष, सेवा, सद्भाव और परिवर्तन की प्रतीक रही है।

उन्होंने कहा कि निशांत कुमार की सद्भाव यात्रा बिहार की राजनीति को जनता के बीच ले जाने वाली यात्रा है। यह अत्यंत सराहनीय है कि निशांत कुमार ने स्वयं स्पष्ट किया है कि वे इस यात्रा के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद करेंगे, संगठन को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा करेंगे तथा यह जानेंगे कि जनता दल (यू) के विचार और नीतीश कुमार के विकास कार्यों को जन-जन तक और प्रभावी ढंग से कैसे पहुँचाया जाए।

यह यात्रा नीतीश कुमार की 21 वर्षों की विकासवादी विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प भी है। बिहार का ऐसा कोई घर, कोई वर्ग, कोई क्षेत्र नहीं है जहाँ जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ न पहुँचा हो। सात निश्चय योजना, सात निश्चय पार्ट-2 तथा अब सात निश्चय पार्ट-3 के माध्यम से राज्य में विकास का नया मॉडल स्थापित हुआ है। हर घर बिजली, नल-जल, पक्की सड़क, गली-नाली, पुल-पुलिया, अस्पताल, स्कूल, छात्र-छात्राओं के लिए सुविधाएँ और गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ बिहार के परिवर्तन की गवाही देती हैं।

युवाओं को रोजगार, कौशल, शिक्षा और अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में जो काम हुए हैं, उन्हें और तेज गति से आगे बढ़ाने का संकल्प भी इस यात्रा के केंद्र में है। निशांत कुमार का स्पष्ट मत है कि बिहार में विकास का जो कार्य प्रारंभ हुआ है, वह रुकना नहीं चाहिए, बल्कि और गति तथा मजबूती के साथ आगे बढ़ना चाहिए। निशांत कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि माननीय नीतीश कुमार ने कभी "ट्रिपल सी" अर्थात क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म से समझौता नहीं किया और आगे भी नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि निशांत कुमार का व्यक्तित्व सादगी, संयम, मर्यादा और विकासवादी सोच से परिपूर्ण है।

उन्होंने कभी पद की राजनीति नहीं की, बल्कि संघर्ष और संगठन के रास्ते को चुना है। यही संस्कार और यही प्रतिबद्धता उन्हें जनता के बीच विशेष बनाती है।

पश्चिमी चंपारण से शुरू हो रही यह यात्रा पूरे बिहार को यह संदेश देगी कि नेतृत्व जनता के द्वार पर पहुँचकर सुनने और समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्रामीण चिकित्सक सम्मेलन में स्वास्थ्य मित्र बहाली और अधिकार देने की उठी मांग

पटना (अपना नालंदा)।बेगूसराय नगर निगम के हृदयस्थली दिनकर भवन (टाउन हॉल) परिसर में ग्रामीण चिकित्सक महासभा के तत्वावधान में बिहार प्रदेश स्तरीय ग्रामीण चिकित्सक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. संजीव भारती ने की, जबकि मंच संचालन डॉ. आर.एस. सिंह ने किया।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के राष्ट्रीय प्रधान संरक्षक डॉ. राजकुमार आज़ाद उपस्थित रहे। उन्होंने बिहार सरकार से मांग करते हुए कहा कि सभी प्रशिक्षित ग्रामीण चिकित्सकों को "स्वास्थ्य मित्र" के रूप में बहाल किया जाए तथा जो चिकित्सक अभी अप्रशिक्षित हैं, उन्हें प्रशिक्षण देकर शीघ्र बहाली सुनिश्चित की जाए।

मुख्य वक्ता बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चाँद खान ने कहा कि राज्य में लगभग छह लाख ग्रामीण चिकित्सकों के सहयोग से सरकार बनी है, इसलिए उनके योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने सरकार से ग्रामीण चिकित्सकों के अधिकारों को मान्यता देने की मांग की।

अति विशिष्ट अतिथि महिला प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीलू मिश्रा ने कहा कि पूरे देश में लगभग 50 लाख ग्रामीण चिकित्सक कार्यरत हैं और प्रत्येक चिकित्सक कम से कम सौ मतदाताओं को प्रभावित करता है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार सम्मानपूर्वक प्राथमिक चिकित्सा का अधिकार नहीं देती है, तो संगठन नई राजनीतिक पार्टी बनाकर अपनी ताकत दिखाएगा।

सम्मेलन को विशिष्ट अतिथि डॉ. के.के. राय, डॉ. मशरूर अकरम, डॉ. राजकुमार राकेश, डॉ. पूनम आज़ाद, डॉ. रामचंद्र चौधरी, डॉ. सोमाल अहमद खान, डॉ. देवचंद पोद्दार और डॉ. आर.एन. सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण चिकित्सक उपस्थित रहे।

दिल्ली में एक तिहाई आबादी होने के बावजूद बिहारियों को अपमान, शोषण-हिंसा का सामना करना पड़ता है:- विवेक कुमार

दिल्ली (अपना नालंदा)। दिल्ली में बिहारी नौजवान पांडव की हत्या के खिलाफ पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए आज रविवार 3 मई को दिन के एक बजे से जंतर-मंतर पर जन सुराज पार्टी द्वारा शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में दिल्ली में रहने वाले बिहार के सर्वसमाज के लोग पार्टी लाइन से ऊपर उठकर बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

दिल्ली के कोने-कोने से स्वतः आए बिहारी समाज के लोगों को संबोधित करते हुए जन सुराज पार्टी के प्रवक्ता विवेक कुमार ने कहा कि दिल्ली में एक तिहाई आबादी होने के बावजूद बिहारियों को प्रतिदिन अपमान, शोषण और हिंसा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि न केवल दिल्ली, बल्कि देश के लगभग हर राज्य में बिहारियों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है। दिल्ली पुलिस के एक हवलदार द्वारा बिहारी पहचान बताने पर पांडव की हत्या ने राजधानी में बिहारियों की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया है। हम आज पांडव को न्याय दिलाने के लिए संगठित हुए हैं और यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता।

जंतर-मंतर पर आयोजित इस जनसभा को संबोधित करते हुए अनूप मैथिल और आदित्य मोहन ने कहा कि पांडव को न्याय दिलाने के लिए हमारी तीन प्रमुख मांगें हैं। इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस द्वारा न कराकर एक स्वतंत्र एसआईटी (SIT) से कराई जाए, पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपए का सरकारी मुआवजा दिया जाए, तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना के बाद भी संबंधित नेतृत्व द्वारा संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई। रेखा गुप्ता पीड़ित परिवार के घर जाने की बजाय उन्हें सचिवालय बुलाकर मिलीं, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

प्रवक्ता अक्षत सोनक ने कहा कि बिहारियों के साथ हो रहा यह अपमान, शोषण और हिंसा देश के विभिन्न राज्यों में एक गंभीर समस्या बन चुका है। बिहारी समाज देशभर में मेहनत-मजदूरी कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता है, फिर भी उनके साथ इस प्रकार की घटनाएं लगातार हो रही हैं। जन सुराज पार्टी बिहारियों के साथ हो रहे इस भेदभाव के खिलाफ हर स्तर पर संघर्ष करती रहेगी।

इस प्रदर्शन में विवेक कुमार, अनूप मैथिल, आदित्य, शांतनु, धीरू मिश्रा, चंद्रजीत, अक्षत, धनराज, रिचा, प्रभात, रितेश, हरेंद्र समेत अन्य लोग शामिल रहें।

प्रदर्शन के उपरांत जन सुराज पार्टी का एक प्रतिनिधि टीम ने प्रशासन से भेंट कर अपना मांग पत्र सौंपा।

राज्यपाल दौरे को लेकर नालंदा में आज नो फ्लाइंग जोन घोषित, सुरक्षा कड़ी

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।नालंदा जिले में माननीय राज्यपाल, बिहार के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। राज्यपाल के एडीसी मेजर अरशदीप सिंह हंस की ओर से जारी कार्यक्रम के आज 04 मई को राज्यपाल नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर तथा पुरातात्विक स्थल नालंदा महाविहार का भ्रमण करेंगे।

इस महत्वपूर्ण दौरे के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस अधीक्षक, नालंदा द्वारा पत्रांक 3667/ गो०, दिनांक 02 मई 2026 के माध्यम से यह जानकारी दी गई है कि राज्यपाल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चिन्हित कार्यक्रम स्थलों और आवासन स्थलों के आसपास अनाधिकृत ड्रोन के प्रवेश पर रोक लगाना आवश्यक है।

इसी परिप्रेक्ष्य में प्रशासन द्वारा नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर एवं नालंदा महाविहार सहित उसके आसपास के क्षेत्रों को अस्थायी रूप से नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया गया है। इस अवधि में किसी भी प्रकार के ड्रोन या अन्य उड़ने वाले उपकरणों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय राज्यपाल की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लिया गया है। किसी भी प्रकार के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अनुमंडल पदाधिकारी, राजगीर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, राजगीर को निर्देश दिया गया है कि वे इस आदेश का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराएं तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की चूक न होने दें।प्रशासन ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें और सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग दें।

बिहार मे अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं: आनंद मिश्रा

पटना (अपना नालंदा)।भाजपा विधायक आनंद मिश्रा ने कहा है कि बिहार में अपराधियों के लिए अब कोई जगह नहीं बची है और कानून का राज पूरी मजबूती से स्थापित हो रहा है। उन्होंने सिवान में हाल ही में हुए पुलिस इनकाउंटर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कार्रवाई राज्य में कानून व्यवस्था की सख्ती को दर्शाती है।

आनंद मिश्रा ने बताया कि बीते दिनों में कई कुख्यात अपराधी पुलिस कार्रवाई में पकड़े गए या मारे गए हैं। इनमें सिवान का सोनू यादव, इससे पहले छोटू यादव, भागलपुर का राजधानी यादव, मोतिहारी का कुंदन ठाकुर, बेगूसराय का प्रियांशु दुबे तथा खगड़िया के कई हिस्ट्रीशीटर अपराधी शामिल हैं। इन सभी पर हत्या और संगठित अपराध जैसे गंभीर मामले दर्ज थे।

उन्होंने कहा कि जब भी पुलिस ने इन अपराधियों को पकड़ने का प्रयास किया, तब इन्होंने पुलिस पर हमला करने की कोशिश की। ऐसे में पुलिस को कानून के दायरे में रहते हुए सख्त कार्रवाई करनी पड़ी। यह स्पष्ट संकेत है कि अब कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है और अपराध करने वालों को उसका परिणाम भुगतना ही होगा।

विधायक ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई किसी जाति, क्षेत्र या धर्म के खिलाफ नहीं है, बल्कि अपराध के खिलाफ है। अपराधी की पहचान केवल उसके अपराध से होती है।

उन्होंने बिहार पुलिस के साहस और दृढ़ता की सराहना करते हुए राज्य सरकार के नेतृत्व की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बिहार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और अपराधियों के लिए यहां कोई स्थान नहीं है।